29 June 2025_Copy of Layout 1 6/29/2025 2:49 PM Page 1

दैनिक

नज़रिया खबर

भारत सरकार के डीएवीपी व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

RNI:UTTHIN/2008/25052

वर्ष:17 | अंक: 360 | देहरादून, रविवार 29 जून, 2025 | पृष्ठ:08 | मूल्य:1/रु. प्रति

न्यूज डायरी

मुख्यमंत्री धामी ने स्वास्थ्य के प्रहरी पुस्तक का किया विमोचन

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को बाल साहित्यकार इंजी. ललित शौर्य की नई पुस्तक स्वास्थ्य के प्रहरी का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुस्तक आमजनमानस में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करेगी। इसमें विभिन्न बीमारियों को रोचक तरीके से कहानियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

मुख्यमंत्री ने दी विभिन्न विकास योजनाओं की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद पौड़ी गढ़वाल के वि०ख० यमकेश्वर के अन्तर्गत ग्राम मौन, नीलकण्ठ में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

टाईप ए की स्थापना हेतु मानकों में शिथिलीकरण किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने राज्य अतिथि गृह ऑफिसर्स ट्रांजिट हास्टल, रेसकोर्स में पूर्व में स्वीकृत कार्यों के अतिरिक्त अन्य कार्य रिनोवेशनध्स्ट्रैन्थनिंग के कार्य हेतु 295.12 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने जनपद रुद्रप्रयाग की रुद्रप्रयाग शाखा के अन्तर्गत बनियारी जवाहर नगर पेयजल योजना हेतु नलकूप निर्माण एवं तत्संबंधी कार्यों हेतु 308.12 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

बाढ़ से निपटने के लिए जनपद पूरी तरह तैयार, टेबल टॉप एक्सरसाइज में जनपदों की तैयारियों की समीक्षा

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में राज्य के मैदानी क्षेत्रों में बाढ़ का प्रभावी तरीके से सामना करने तथा जल भराव की स्थितियों से कारगर तरीके से निपटने के लिए 30 जून को प्रस्तावित मॉक ड्रिल की तैयारियों को शनिवार को अंतिम रूप दिया। मॉक ड्रिल को लेकर जनपदों की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए शनिवार को उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित की गई। इस दौरान जनपदों में जिन परिदृश्यों पर मॉक ड्रिल की जानी है, उन पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई तथा मॉक ड्रिल के सफल संचालन हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने कहा कि इस वर्ष मौसम विभाग द्वारा सामान्य से अधिक बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। अत्यधिक बारिश होने के कारण राज्य के मैदानी क्षेत्रों में बाढ़ तथा जलभराव जैसी समस्याओं से प्रभावी तरीके से निपटने, विभिन्न रेखीय विभागों के बीच समन्वय को बेहतर बनाने, उपकरणों तथा संसाधनों का आपदा के समय बेहतर से बेहतर उपयोग करने तथा वास्तविक आपदा के समय राहत और बचाव कार्यों को प्रभावी तरीके से संचालित करने के लिए इस मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की आपदा का सामना करने के लिए सबसे जरूरी है, आपदा पूर्व तैयारी। जितनी अच्छी तैयारी होगी, उतने ही बेहतर ढंग से आपदाओं का सामना किया जा सकेगा। मॉक ड्रिल का उद्देश्य विभिन्न गैप्स का पता लगाना तथा उनका समाधान करना,

सचिव आपदा प्रबंधन बैठक लेते हुए।

सचिव आपदा प्रबंधन ने कहा- आपदाओं से निपटने के लिए तैयारी जरूरी

आपदा के समय त्वरित निर्णय लेने की क्षमताओं में वृद्धि करना, बाढ़ से निपटने के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करना है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय कोई भी विभाग अकेले कार्य नहीं कर सकता। सभी को एक–दूसरे के सहयोग की जरूरत होती है, तभी आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है।

यूएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी–क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी ने मॉक ड्रिल के लिए क्या–क्या तैयारियां करनी हैं, इसके बारे में विस्तार से जनपदों को बताया। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप, अपर सचिव विनीत कुमार, संयुक्त सचिव एनएस डुंगरियाल, ड्यूटी ऑफिसर विजय कुमार, अनु सचिव ज्योतिर्मय त्रिपाठी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो0 ओबैदुल्लाह अंसारी, एसडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट शुभांक रतूड़ी, संयुक्त सचिव ज्योतिर्मय त्रिपाठी, एनडीआरएफ के असिस्टेंट कमांडेंट राजू एस धपोला, अनु सचिव मिनी जोशी, डॉ. बिमलेश जोशी आदि मौजूद रहे।

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि उत्तराखण्ड में 09 जून को आईआरएस यानी घटना प्रतिक्रिया प्रणाली की अधिसूचना जारी कर दी गई है। बाढ़ प्रबंधन को लेकर आयोजित की जा रही यह मॉक ड्रिल आईआरएस प्रणाली के तहत होगी। उन्होंने बताया कि आईआरएस में सभी विभागों और अधिकारियों की भूमिका तथा दायित्वों का स्पष्ट निर्धारण किया गया है, ताकि किसी भी अधिकारी को आपदा के दौरान अपने दायित्वों तथा कर्तव्यों को लेकर भ्रम की स्थिति न रहे। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड में राज्य स्तरीय आईआरएस प्रणाली के साथ ही जनपद व तहसील स्तर पर आईआरएस को अधिसूचित किया गया है। अधिकारियों को आईआरएस के बारे में बताने के लिए राज्य, जनपद व तहसील स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

शेष खबर पेज आठ पर देखे

मुख्य सचिव ने न्यायालयों में सरकारी मामलों की बेहतर पैरवी के लिए बेहतर समन्वय के दिए निर्देश

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने न्यायालयों में चल रहे सरकारी मामलों की बेहतर पैरवी के लिए विभाग, सरकार और सरकारी अधिवक्ताओं के बीच बेहतर समन्वय के लिए अपने सभागार में शासन के उच्चाधिकारियों एवं सरकारी अधिवक्ताओं के साथ बैठक आयोजित की।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जिन विभागों के अधिकतम मामले न्यायालयों में चल रहे हैं, ऐसे प्रमुख विभागों के मामलों के लिए संबंधित विभाग में, शासन में और सरकारी अधिवक्ताओं में नोडल अधिकारी

मुख्य सचिव बैठक लेते हुए।

नामित कर दिए जाएं, ताकि सम्बन्धित मामले में किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा चर्चा के लिए किससे संपर्क करना है, यह सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारियों को लगातार अपडेट रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केस को बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने

उच्चाधिकारियों एवं सरकारी अधिवक्ताओं के साथ आयोजित की बैठक

के लिए विभाग, सरकार और अधिवक्ताओं के मध्य संवाद हो सके इसके लिए एक सिस्टम और मैकेनिज्म तैयार किया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि किसी मामले को माननीय न्यायालय में जाने पर उचित विभाग को पक्ष बनाया जाना भी आवश्यक है। गलत विभाग को पक्ष बनाए जाने पर मामलों में अनावश्यक देरी होती है। उन्होंने कहा कि सरकार के बड़े और महत्त्वपूर्ण मामलों को शीघ्र निस्तारित किए जाने हेतु मजबूत पैरवी की जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी केसों की ससमय तैयारी और समीक्षा हो सके, इसके लिए कोई ऐप या सॉफ्टवेयर तैयार किया जाए ताकि मामलों की जानकारी आसानी से साझा की जा सके। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, प्रमुख सचिव न्याय प्रदीप पंत, सचिव शैलेश बगौली, एडीजी डॉ. वी. मुरुगेशन, एपी अंशुमान, सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. रंजीत सिन्हा एवं युगल किशोर पंत सहित सरकारी अधिवक्ता उपस्थित थे।

29 June 2025_Copy of Layout 1 6/29/2025 2:49 PM Page 2

संपादकीय

कैसे मची भगदड़?

ओडिशा के पुरी में वार्षिक रथ यात्रा उत्सव के दौरान आज सुबह (28 जून, 2025) हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण भगदड़ में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। मृतकों में दो महिलाएं शामिल हैं। यह घटना गुंडिचा मंदिर के पास हुई, जहां भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ दर्शन के लिए रुके हुए थे। यह दुखद घटना आज सुबह लगभग 4रू30 बजे गुंडिचा मंदिर के समीप घटित हुई। जानकारी के अनुसार, भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की मूर्तियों को लेकर जा रहे तीनों रथ मंदिर के पास उस स्थान पर पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में भक्त अपने आराध्य के दर्शन के लिए प्रतीक्षा कर रहे थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, प्रतीक्षा कर रहे भक्तों में से कुछ के अचानक गिर जाने के कारण भगदड़ मच गई। भीड़ इतनी घनी थी कि लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला और कई लोग एक–दूसरे के ऊपर गिरते चले गए। चश्मदीदों के दावों ने एक और गंभीर पहलू उजागर किया है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि एक ट्रक उस क्षेत्र में प्रवेश कर गया जहां श्रद्धालु एकत्र थे। यह ट्रक कथित तौर पर रथों के पास रखे ताड़ के लट्ठों को हटाने के लिए आया था। ट्रक के प्रवेश से श्रद्धालुओं के बीच अफरा–तफरी मच गई, जिससे हंगामा बढ़ गया और जल्द ही यह एक बड़ी भगदड़ में बदल गया। इसी भगदड़ में तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इनमें दो महिलाएं प्रभाती दास और बसंती साहू और 70 वर्षीय प्रेमकांत मोहंती शामिल हैं। पता चला है कि तीनों खुर्दा जिले के रहने वाले हैं और रथ यात्रा के लिए पुरी आए थे। इस बीच, भगदड़ के दौरान मौके पर मौजूद एक पुलिसकर्मी ने संवाददाताओं को बताया कि वहां भारी भीड़ थी। पुरी एसपी विनीत अग्रवाल ने श्रद्धालुओं के आरोपों का खंडन किया है, जो कह रहे थे कि घटना के दौरान मौके पर पुलिस तैनात नहीं थी। पुरी कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर स्वैन ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा, श्दर्शन के औपचारिक समापन के बाद, जब सुबह–सुबह देवताओं के दर्शन शुरू हुए, तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु घेरे की ओर दौड़ पड़े। करीब नौ लोगों ने सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की। उन्हें बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया। अब तक, तीन श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि छह अन्य का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

स्वास्थ्य विभाग में 9 मृतक आश्रितों को मिली नौकरी, मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बांटे नियुक्ति पत्र

नियुक्ति पत्र वितरित करते मंत्री धन सिंह रावत।

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत अनुकंपा के आधार पर 9 मृतक आश्रितों को कनिष्ठ सहायक पद पर नौकरी प्रदान की गई है। इन सभी मृतक आश्रितों को विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने नियुक्त पत्र वितरित किये। डॉ रावत ने सभी नव नियुक्ति कनिष्ठ सहायकों को भविष्य की शुभकामनाएं दी और उम्मीद जताई कि वह विभागीय दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करेंगे।

सूबे चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज अपने शासकीय आवास पर स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत 9 मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। विभागीय मंत्री ने कहा कि इन सभी लोगों को शैक्षिक योग्यता के आधार पर मृतक आश्रित कोटे के तहत कनिष्ठ सहायक पद पर नियुक्ति दी गई है। जिसमें सूरज कुमार को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय टिहरी में तैनाती दी गई। इसी प्रकार पियूष पनियाल को सीएमओ कार्यालय देहरादून, चन्द्रकला गोस्वामी को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र थल, पिथौरागढ़, अंकुर इन्द्रवाण को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नौगांव, उत्तरकाशी, कामना कुंवर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ऊखीमठ, रूद्रप्रयाग, सौम्या त्रिपाठी को उप जिला चिकित्सालय हल्द्वानी, प्रीतम सिंह नेगी को स्वास्थ्य महानिदेशालय देहरादून, जमुना पंवार को उप जिला चिकित्सालय श्रीनगर, और विपिन नेगी को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पौड़ी में तैनाती दी गई। विभागीय मंत्री डा. रावत ने सभी नव नियुक्त कनिष्ठ सहायकों की हौसलाफजाई करते हुये उन्हें शुभकामनाएं दी और उम्मीद जताई वह अपने विभागीय कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ करेंगे। वहीं नियुक्ति पत्र पाकर मृतक आश्रितों के चेहरे खिल उठे।

उन्होंने बताया कि यह उनका सौभाग्य है कि विभागीय मंत्री व अधिकारियों की संवेदनशीलता के चलते उन्हें नियुक्ति पत्र मिले। वरना मृतक आश्रितों को नौकरी पाने में वर्षों लग जाते हैं। उन्होंने इस अवसर पर विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत व महानिदेशक डॉ. सुनीता टम्टा का आभार भी जताया।

वैश्विक स्तर पर 6 क्षेत्रों में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया अत्यंत कठोर

अमेरिका के राष्ट्रपति का जुनून-प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार 2026 के लिए दुनियाँ के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति की चाहत से नोबेल पुरस्कार की रेपुटेशन हाई हुई

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार यदि कोई है तो वहहै,नोबेल पुरस्कार जो भिन्न–भिन्न 6क्षेत्रों भौगोलिक, रसायन विज्ञान,चिकित्सा साहित्य शांति व अर्थशास्त्र में प्रतिवर्ष दिया जाता है। 2025 के लिए नॉमिनेशन की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2025 थी,अब पुरस्कारों की घोषणा 10 अक्टूबर 2025 को होगी। परंतु पिछले कुछ दिनों से अब नोबेल पुरस्कार 2026 की चर्चा प्रिंट इलेक्ट्रानिक सोशल मीडिया पर जोरो से चल रही है, विशेष रूप से नोबेल शांति पुरस्कार की, वो भी इसलिए की दुनियाँ के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह पुरस्कार पाने का जुनून है, हालांकि अपने पिछले टर्म में राष्ट्रपति के दौरान वे नहीं पा सके थे, परंतु अब 2026 का पुरस्कार पाने की चाहत उनके बयानों एक्सः एक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट हो रही है,जिसकी चर्चा पूरे विश्व में हो रहीहै,जबकि 2026 का ऑफीशियली रजिस्ट्रेशन सितंबर 2025 से शुरू होगा।आज इसकी चर्चा इसलिए भी जोर पकड़ रही है कि, इसके लिए ट्रंप का ऑफीशियली रूप सेनॉमिनेशन पाक द्वारा कर भी दिया गया है जो एक प्रक्रिया के तहत होता है, जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र का मानना है कि, पाक के सेनापति द्वारा ट्रंप को नोबेल पुरस्कार मिलने की मौखिक सिफारिश की फिर उन्हें ट्रंप द्वारा ऑफीशियली रूप से लंच पर आमंत्रित दिया गया,फिर पाक द्वारा ऑफीशियली नॉमिनेशन की घोषणा की गई, जबकि मेरा मानना हैकि अंदरूनी कहानी ईरान–इजरायल युद्ध की भयंकर बढ़ती सिचुएशन से उत्पन्न क्राइसिस से निपटने के लिए रणनीतिके तहत पाक हवाई पट्टीयों का उपयोग करेगा, पाक अमेरिका के बीच यह स्थितियां हो रही है,हालांकि पाक सेनापति व ट्रंप की लंच मुलाकात की एक भी फोटो वीडियो प्रेस में साझा नहीं किया गया है,यह मेरा अनुमान है। तो दूसरी ओर ट्रंप खुले रूप से अपने बयान हुआ एक केंद्र पर कर रहे हैं कि उन्होंने भारत–पाक कांगो–रवांडा इसराइल –हमास रूस यूक्रेनमें से दो के युद्ध रोके हैं, बाकी की कोशिश चल रही है। हालांकि 2 दिन पूर्व भारतीय पीएम ने ट्रंप से सीधे 35 मिनट की बातचीत में कहा कि भारत पाक युद्ध विराम का समझौता आपसी द्वपक्षी बातचीत के जरिए हुआथा परंतु ट्रंप इसको शांति पुरस्कार का आधार मानते है,परंतु उन्होंने कहा मुझे मालूम है, मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं दिया जाएगा, हालांकि इन पुरस्कारों की पूरी प्रक्रिया की चर्चा हम नीचे पर में करेंगे। चूंकि वैश्विक स्तरपर 6 क्षेत्रों में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार की चयन प्रक्रिया अत्यंत कठोर, विभिन्न चरणों में भारी मानदंडों से होना इसकी खूबसूरती है, इसलिए आज हम मीडियम उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जुनून, प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार 2026 के लिए दुनियाँ के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति की चाहत से नोबेल पुरस्कारों की रेपुटेशन हाई हुई।

साथियों बात अगर हम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नोबेल शांति पुरस्कार को पाने के जुनून की करें तो,आज कल अमेरिका के राष्ट्रपति नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर चर्चा में आ गए।बता दें कि कुछ दिन पहले राष्ट्रपति ट्रंप पाक के आर्मी चीफ से मिले।अब पाक द्वारा नोबल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप को नॉमिनेट किया जाना पाक की चालाकी बताई जा रही है, क्योंकि ट्रंप चाहते हैं कि यह पुरस्कार किसी भी तरह उन्हें मिले। वहीं चर्चाओं के बीच ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा कि सोमवार को व्हाइट हाउस में कांगो और रवांडा शांति समझौते पर दस्तख्त करेंगे। इसके पहले मैंने भारत पाकिस्तान सहित कई युद्ध रुकवाए, लेकिन मुझे कोई इस नेक काम करके लिए नोबल प्राइज नहीं देगा। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लंबी पोस्ट में छह बार इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का उल्लेख किया। पाक ने अमेरिका के राष्ट्रपति को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है। इस कदम ने न केवल भू–राजनीतिक विशेषज्ञों को चौंका दिया है, बल्कि खुद पाक के लोग और नेता भी इससे हैरान हैं। कई पाकी सामाजिक कार्यकर्ताओं और लेखकों ने सरकार के इस फैसले की आलोचना की है। उन्होंने याद दिलाया कि ट्रंप ने गाजा में हो रहे नरसंहार और ईरान पर इस्राइल के हमले का समर्थन किया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर इस फैसले की आलोचना हो रही है।पाक ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए इसलिए नामित किया है, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर भारत और पाक के बीच तनाव के दौरान निर्णायक कूटनीतिक दखल दिया। हालांकि,भारत पहले ही कई बार स्पष्ट कर चुका है कि ऑपरेशन सिंदूर के समय जो संघर्षविराम हुआ, वह दोनों देशों के बीच सीधे संवाद से हुआ था– न कि किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से।दरअसल, भारत ने जब पाक के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था. तब दोनों देशोंके बीच 4 दिनतक तनाव रहा,वार–पलटवार का सिलसिला जारी रहा,इसी के बाद पाक ने भारत से इस ऑपरेशन को रोकने का आग्रह किया,हालांकि, ट्रंप ने दावा किया था कि दोनों देशों के बीच उन्होंने सीजफायर कराया,पाक ने ट्रंप के इसी हस्तक्षेप का एहसान चुकाने के लिए अब ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट कर दिया है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अमेरिका के राष्ट्रपति का जुनून–प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार 2026 के लिए दुनियाँ के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति की चाहत से नोबेल पुरस्कार की रेपुटेशन हाई हुई,वैश्विक स्तरपर 6 क्षेत्रों में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया अत्यंत कठोर, विभिन्न चरणों में भारी मानदंडों से होना इसकी खूबसूरती है।दुनियाँ के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र के राष्ट्रपति की नोबेल शांति पुरस्कार पाने की चाहत से पुरस्कार की रेपुटेशन में जबरदस्त उछाल परंतु यह काम को मिलता है व्यक्ति को नहीं सराहनीय है।

लेखक – कर विशेषज्ञ स्तंभकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

पीड़ितों को मिले न्याय, समय से वितरण करें राहत एवं आर्थिक सहायताः मुख्य विकास अधिकारी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में शुक्रवार को विकास भवन में अनुसूचित जाति, जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम–1995 के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। बैठक में अधिनियम के अंतर्गत वर्ष 2021 से अभी तक पीड़ितों के प्राप्त प्रकरणों और उनको राहत व आर्थिक सहायता वितरण कार्यो की विस्तृत समीक्षा की गई।

सीडीओ बैठक लेते हुए।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का जल्द से जल्द निस्तारण करते हुए पीड़ितों को राहत प्रदान की जाए। सीडीओ ने पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि विगत पांच वर्षो में अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत प्रत्येक प्रकरण की अद्यतन सूचना 15 दिनों के भीतर उपलब्ध करें। समाज कल्याण विभाग को रोस्टर निर्धारित करते हुए हर तीन माह में समिति की बैठक रखने के निर्देश दिए। ताकि लंबित प्रकरणों का त्वरित समाधान हो सके और पीड़ितों को समय पर न्याय और राहत मिल सके।

इस दौरान बताया गया कि अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत वर्ष 2021 से 2025 तक जनपद में मारपीट, गाली गलौज, जाति सूचक शब्द के 47 मामले, छेडछाड, लज्जा भंग के 07, बलात्कार के 08, हत्या का 01 सहित कुल 63 प्रकरण पंजीकृत हुए है, जिनमें से कुछ प्रकरणों का निस्तारण कर लिया गया है जबकि अवशेष प्रकरणों पर सुनवाई चल रही है। मारपीट, गाली गलौज, जातिसूचक शब्द के कुछ प्रकरणों के निस्तारण के तहत वर्ष 2021 से अब तक रु0 32.18 लाख की राहत एवं आर्थिक सहायता का वितरण किया गया है। वहीं छेड़छाड, लज्जा भंग में 09 लाख, बलात्कार के मामले में 24 लाख, हत्या के मामले में 8.25 लाख की धनराशि पीड़ितों को आर्थिक सहायता के रूप में वितरित की जा चुकी है। बैठक में विधायक रायपुर उमेश शर्मा काऊ, मा0 विधायक खजान दास के प्रतिनिधि गोपाल पुरी, समिति के सदस्य सतीश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल, निरीक्षक पुलिस विभाग केआर पांडेय, डीपीओ जितेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

पुतला फूंकने को लेकर पुलिस और कांग्रेसियों में छीना झपटी

हरिद्वार। जिले के रुड़की में देह व्यापार और जुए जैसे मामलों को लेकर कई कांग्रेसी कार्यकर्ता शुक्रवार को मुख्यमंत्री का पुतला फूंकने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उनके हाथों से पुतला छीन लिया। जिससे माहौल गरमा गया।

इस दौरान पुलिसकर्मियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच पुतले को लेकर जमकर छीना झपटी भी हुई। वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे लोकतंत्र की हत्या बताते हुए सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया। 27 जून को रुड़की के चंद्रशेखर चौक पर पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, महानगर कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने पहुंचे। हालांकि, उससे पहले ही वहां पर भारी पुलिस बल तैनात था। जहां पुलिसकर्मियों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रदर्शन करने और पुतला फूंकने से मना कर दिया। इसके बाद भी कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं माने और पुतला जलाने की तैयारी करने लगे।

सूचना कार्मिक अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निष्ठा और ईमानदारी से करें निवर्हनः डीजी बंशीधर तिवारी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। शनिवार को रिंग रोड स्थित सूचना भवन में उत्तराखण्ड सूचना कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। श्री तिवारी द्वारा नवनिर्वाचित संघ के पदाधिकारियों का शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सूचना महानिदेशक श्री तिवारी ने कहा कि कार्मिक हितों का शीघ्र समाधान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सूचना विभाग का कार्य सरकार की नीतियों व योजनाओं का जनहित में व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार करना है। सभी कार्मिक अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करे। संघ द्वारा रखी गई मांगों का शीघ्र समाधान किया जायेगा। कार्मिकों के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जायेंगे। इस अवसर पर अपर निदेशक आशिष कुमार त्रिपाठी ने संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विगत समय में भी संघ द्वारा रखी गई मांगों का प्राथमिकता पर समाधान किया गया है। संघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष कैलाश रावत ने कहा कि संघ का प्रयास होगा कि कार्मिकों के हितों को शीघ्र समाधान कराया जा सके। इसके लिए अधिकारियों से निरंतर संवाद किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आगामी समय में संघ का जनपद स्तर तक विस्तार किया जायेगा।

तहसील प्रशासन ने बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का किया स्थलीय निरीक्षण

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। जिलाधिकारी संदीप तिवारी के निर्देश पर चमोली तहसील प्रशासन की टीम ने शनिवार को चमोली तहसील प्रशासन की टीम ने प्रभावित सैकोट, मैठाणा, नन्दानगर–नन्दप्रयाग सड़क और गोपेश्वर के लीसा फैक्ट्री बैंड का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडे ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

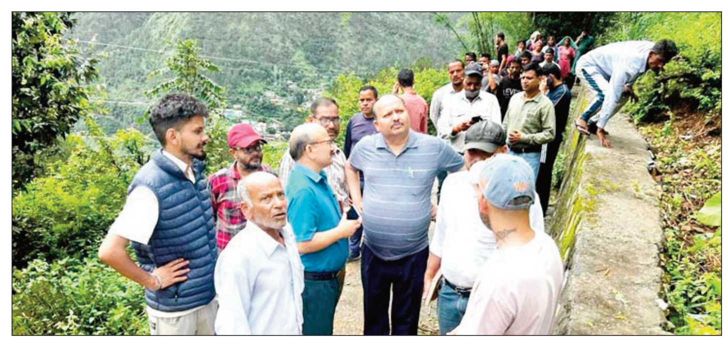

चमोली जिले में शुक्रवार देर रात हुई भारी बारिश से सैकोट, मैठाणा, गोपेश्वर का लीसा फैक्ट्री क्षेत्र और नंदानगर क्षेत्र प्रभावित हो गया था। जिसका संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी चमोली ने प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया है। उन्होंने बताया कि बारिश के कारण हुए नुकसान से क्षेत्र में 8 आवासीय भवनों को आंशिक नुकसान हुआ है। जबकि दो मवेशी मलबे में दब गए हैं।

बताया कि बारिश के चलते सैकोट में घरों में मलबा घुसने से हुए नुकसान को देखते हुए चार प्रभावित परिवारों को पांच–पांच हजार अहेतुक राशि प्रदान की गई है। जबकि आंशिक क्षतिग्रस्त आवासीय भवनों के स्वामियों को नियमानुसार क्षतिपूर्ति का भुगतान किया गया है। कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा कार्य के लिए भी संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि जनपद में बारिश से हुए नुकसान का आंकलन कर प्रभावित क्षेत्रों में राहत देने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की बात कही गई। जिले में बारिश बाधित बदरीनाथ हाईवे को भनेरपानी, क्षेत्रपाल और नंदप्रयाग में सुचारु कर लिया गया है।

आढ़त बाजार पुनर्विकास परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर एमडीडीए उपाध्यक्ष ने ली बैठक

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी द्वारा आढ़त बाजार पुनर्विकास परियोजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में बैठक ली गयी। बैठक में परियोजना से प्रभावित दुकानदारों को भी आमंत्रित किया गया। बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी तथा कार्यवाही की गयी। सर्वप्रथम निर्माणाधीन आढत बाजार का प्रस्तुतीकरण वास्तुविद व परामर्श दायी संस्था द्वारा किया गया। जिसमें सभी लाभर्थियों को परियोजना के ले आउट, दुकानों के डिजाइन इत्यादि के विषय में विस्तार पूर्वक

एमडीडीए उपाध्यक्ष बैठक लेते हुए।

अवगत कराया गया। साथ ही उपाध्यक्ष श्री तिवारी को अवगत कराया गया कि आढ़त बाजार कार्य में 70 प्रतिशत प्लॉटिंग व 90 प्रतिशत पार्किंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बैठक में यह निर्धारित किया गया कि परियोजना के प्रथम चरण में शासन द्वारा निर्धारित नीति के अनुसार बडे साईज के प्लॉटों को आढत बाजार के अढतियों के लिये आरक्षित रखा जायेगा। साथ ही अन्य आढत व्यवसायियों हेतु भूमि की उपलब्धता के अनुसार पृथक से अवंटन प्रक्रिया को द्वितीय चरण के अन्तर्गत किया जाना निर्धारित किया गया। जिस हेतु आढत बाजार एसोसियेशन से पृथक से प्रस्ताव आमंत्रित किया गया। 01 जुलाई से भूखण्ड आवंटन की प्रक्रिया प्रारम्भ किये जाने के भी निर्देश दिये गये। आवंटन की प्रक्रिया प्राधिकरण द्वारा पुनर्वास नीति के आधार पर की जायेगी। आढ़त बाजार से सम्बन्धित प्रतिनिधियों द्वारा यह अनुरोध किया गया कि प्राधिकरण द्वारा आवंटित भूखण्ड का 10 वर्ष तक किसी प्रकार का क्रय विक्रय न किया जाये। आवंटन से सम्बन्धित प्रकरणों के निस्तारण हेतु संयुक्त सचिव मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण की अध्यक्षता में एक समति का गठन भी किया गया। बैठक में प्राधिकरण सचिव मोहन सिंह बर्निया, संयुक्त सचिव गौरव चटवाल, वित्त नियंत्रक संजीव कुमार, अधीशासी अभि0 सुनील कुमार, अवर अभि0 सुनील उपरेती, लेखपाल नजीर अहमद, वास्तुविद प्रशान्त नौटियाल, आढत बाजार एसोशिऐशन के अध्यक्ष राजेन्द्र गोयल, सचिव विनोद गोयल एवं गांधी रोड व आढत बाजार के अन्य दुकानदार उपस्थित रहे।

29 June 2025_Copy of Layout 1 6/29/2025 2:49 PM Page 4

राज्य में सौर स्वरोजगार योजना से स्वच्छ और हरित ऊर्जा को दिया जा रहा बढ़ावाः मुख्यमंत्री धामी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को ओएनजीसी कम्युनिटी सेंटर, देहरादून में आयोजित ऑल इण्डिया ऑइल सैक्टर मीट कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार इकॉनमी, इकोलॉजी और टेक्नोलॉजी में समन्वय के साथ ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है।

ऑल इण्डिया ऑइल सैक्टर मीट कार्यक्रम में प्रतिभाग करते सीएम व अन्य।

राज्य में मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना से स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा दिया रहा है। प्रदेश में टिहरी, कोटेश्वर, पीपलकोटी, लखवाड़, विष्णुगाड़ जैसी जल विद्युत परियोजनाएं उत्तराखंड को ऊर्जा हब में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राज्य में जियो थर्मल के क्षेत्र में अनेकों संभावना है, जिस पर राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा प्राकृतिक संसाधन किसी भी राष्ट्र को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ईंधन, राष्ट्र के विकास के साथ ही हमारी दैनिक आवश्यकताओ को भी पूरा करता है। देश में कच्चे तेल का कुल उत्पादन का 70 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस उत्पादन का 84 प्रतिशत योगदान देकर ओएनजीसी भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर और विकसित भारत का संकल्प हमारे सामने रखा है। देश 2047 में विकसित भारत बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए पेट्रोलियम भंडार की स्थापना की गई है। ग्रीन हाइड्रोजन के साथ सौर ऊर्जा को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। ऊर्जा के कई वैकल्पिक स्रोतों पर कार्य किया जा रहा है। इन सभी प्रयासों ने भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में सक्षम बनाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तेल एवं प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में अनेक कार्य किए गए हैं। वन नेशन, वन ग्रिड के अंतर्गत गैस पाइप लाईनों का विस्तार किया जा रहा है।

गैस वितरण प्रणाली को विस्तार देकर पहले से सुविधाजनक बनाया गया है। बायो सीएनजी प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। उज्ज्वला गैस योजना जैसी योजनाओं ने समाज में क्रांति लाने का काम किया है। तेल उत्पादन के लिए कई नीतियां भी लागू की गई है। भारत ने विदेशों में भी तेल एवं प्राकृतिक क्षेत्र में निवेश को बढ़ाया है। उन्होंने कहा ओएनजीसी ने उत्तराखंड कई ऐसे कार्य किए हैं, जिसका लाभ राज्य को मिल रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ हिरान्मय पंड्या, अनुपम, गोपाल जोशी, नीरज शर्मा, पवन कुमार, देवेंद्र बिष्ट, सुमित सिंघल एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

पर्वतीय मार्गों पर यात्रा के दौरान विशेष सतर्कता बरतने की अपील की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों और यात्रियों से पर्वतीय मार्गों पर यात्रा के दौरान विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। आज रूद्रप्रयाग में हुई वाहन दुर्घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मुख्यमंत्री ने मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि घायलो को त्वरित चिकित्सा सहायता दी जा रही है और लापता लोगों की खोजबीन के लिए एसडीआरएफ और प्रशासन की टीमें सक्रिय रूप से जुटी हुई हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रशासन एवं परिवहन विभाग को निर्देश दिये है कि पर्वतीय क्षेत्रों में संचालित सार्वजनिक वाहनों की लगातार जांच सुनिश्चित की जाए। खतरनाक मोड़ों और ढलानों पर चेतावनी संकेतकों की व्यवस्था दुरुस्त की जाए तथा आवश्यक स्थलों पर सुरक्षा रेलिंग एवं पैराफिट सुनिश्चित किए जाएं। प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि मौसम पूर्वानुमानों को ध्यान में रखते हुए यात्रा मार्गों की स्थिति की निगरानी करें।

सर्वे रिपोर्ट में आया सामने निर्माण से सामाजिक और आर्थिक नुकसान ज्यादा

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड के हल्द्वानी में प्रस्तावित फ्लाईओवर का निर्माण अभी नहीं होगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसके लिए सर्वे कर फिजिबिलिटी रिपोर्ट फाइनल कर दी है। इसके अनुसार फ्लाईओवर बनाए जाने से फायदे से ज्यादा सामाजिक और आर्थिक नुकसान होने की आशंका है।

ऐसे में फ्लाईओवर की योजना पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। शहर लगातार बढ़ रही आबादी से महानगर का आकार ले रहा है। यहां की सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ रहा है। इससे मुख्य चौराहों पर जाम की स्थिति रहती है। इसके समाधान को लोक निर्माण विभाग ने मुखानी से लालडांठ चौराहा और मंगलपड़ाव से तिकोनिया चौराहे तक फ्लाईओवर की योजना बनाई थी। विभाग ने पिछले वर्ष फिजिबिलिटी सर्वे करवाया, जिसकी फाइनल रिपोर्ट अब तैयार कर ली गई है। रिपोर्ट में फ्लाईओवर बनने से सामाजिक और आर्थिक नुकसान की आशंका जाहिर करते हुए अभी निर्माण न करने का सुझाव दिया है। ऐसे में विभाग ने फ्लाईओवर की योजना को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया है। फ्लाईओवर निर्माण का व्यापारी शुरू से ही विरोध कर रहे थे। शहर के मुख्य बाजार के साथ ही सैकड़ों व्यापारियों का कारोबार प्रभावित होने की आशंका जताई थी। सर्वे रिपोर्ट में व्यापारियों के विरोध को भी फ्लाईओवर निर्माण नहीं किए जाने का मुख्य कारण चिह्नित किया गया है।

मानसून सीजन को लेकर सभी तैयारियां चाक-चौबंदः महाराज

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मानसून अवधि 15 जून से 15 अक्टूबर 2025 तक प्रत्येक जनपद के नोडल खण्ड में बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। सम्बन्धित खण्ड के अधिशासी अभियन्ता, बाढ़ नियन्त्रण प्रभारी हैं।

सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज बैठक लेते हुए।

उक्त जानकारी प्रदेश के सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने शनिवार को सुभाष रोड़ स्थित अपने कैम्प कार्यालय पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद कही। उन्होंने कहा कि मानसून सीजन को लेकर सिंचाई विभाग ने सभी व्यवस्थाएं चाक–चौबंद कर ली हैं। सिंचाई खण्ड, देहरादून के परिसर में केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष सं0–9411554658 है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24×7 क्रियाशील है। अधीक्षण अभियंता, सिंचाई कार्य मण्डल, देहरादून को राज्य स्तरीय विभागीय नोडल अधिकारी नामित किया गया है, जिनका दूरभाष सं0–9837173920 है। सिंचाई मंत्री श्री महाराज ने बताया कि बाढ़ सम्बन्धित सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु विभागीय बाढ़ नियंत्रण प्रभारी द्वारा एक वाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसमें राज्य जिला स्तरीय अधिकारी सदस्य हैं तथा सभी अधिकारी मोबाईल पर 24×7 हमेशा उपलब्ध हैं। सभी अधिशासी अभियंता मानसून के दौरान प्रतिदिन केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण केन्द्र को वर्षा, नदियों में जल स्तर से सम्बन्धित सूचना उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कुल 113 बाढ़ चौकियां प्रशासन के सहायोग से स्थापित कर ली गयी है। मानसून में बाढ़ तथा जल भराव की दृष्टि से 304 संवेदनशील स्थलों का चिन्हीकरण भी कर लिया गया है।

प्रशिक्षण के दौरान शहीद हुए सैनिक विजय सिंह गुसाईं के परिजनों से मंत्री सुबोध उनियाल ने की भेंट

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं नरेंद्रनगर विधायक सुबोध उनियाल पोखरी क्षेत्र के कंडारी गाँव पहुँचे, जहाँ उन्होंने भोपाल (मध्यप्रदेश) में प्रशिक्षण के दौरान देश सेवा में शहीद हुए सैनिक विजय सिंह गुसाईं के परिजनों से भेंट कर गहरी संवेदना एवं सांत्वना व्यक्त की।

शहीद सैनिक के परिजनों से मुलाकात करते मंत्री सुबोध उनियाल।

उन्होंने शहीद की माता कमली देवी, पत्नी पूजा गुसाईं, भाई बिक्रम सिंह गुसाईं तथा बहनों से मिलकर कहा कि देश की रक्षा में बलिदान देने वाले सैनिकों को राष्ट्र कभी नहीं भूलता कृ विजय सिंह गुसाईं जी का यह बलिदान इतिहास में सदैव अमर रहेगा।

कैबिनेट मंत्री श्री उनियाल ने घोषणा की कि शहीद के नाम पर गाँव में एक सड़क "शहीद विजय सिंह गुसाईं मार्ग" के नाम से स्वीकृत कराई जाएगी, जिसके लिए विधायक निधि से ₹10 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। साथ ही, उन्होंने शहीद की स्मृति में मूर्ति निर्माण हेतु सहयोग देने की भी घोषणा की। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में परिवार के साथ खड़ी रहेगी और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर शहीद की पत्नी पूजा गुसाईं ने भावुक होते हुए कहा कि उन्हें अपने पति पर गर्व है जिन्होंने देश सेवा में अपने प्राण अर्पित किए। उन्होंने बताया कि उनके दो बेटे हैं अर्नव (7 वर्ष) और दूसरा पुत्र (4 वर्ष) और वे चाहती हैं कि उनके बच्चे भी भविष्य में देश की सेवा करें। मंत्री श्री उनियाल ने बताया कि वे अंतिम संस्कार में सम्मिलित होना चाहते थे, किंतु शासकीय व्यस्तताओं के कारण उपस्थित नहीं हो सके। सभा के अंत में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई। इस अवसर पर फकोट ब्लॉक के निवर्तमान प्रमुख राजेन्द्र सिंह भंडारी, मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष बीर सिंह रावत, नगर पंचायत गजा के अध्यक्ष कुंवर सिंह चौहान, भाजपा के वरिष्ठ नेता गजेंद्र सिंह खाती, तहसीलदार गजा विनोद तिवारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण व सम्मानित जनसमुदाय उपस्थित रहा।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों तैयारियों की समीक्षा बैठक हुई आयोजित, अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को त्रिस्तरीय पंचायत चुनावा की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को चुनाव के सुचारु और सफल आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही सड़क संबंधी विभागों के अधिकारियों को चुनाव के दौरान और मतदान पार्टियों की आवाजाही के लिये सड़कों को सुचारु रखने के के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिये।

जिला सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने खंड विकास अधिकारियों और आरओ को निर्देशित करते हुए मतदेय स्थलों में आवास, विद्युत, पेयजल के साथ अन्य व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने के आदेश दिये। नामांकन प्रक्रिया के निर्बाध संपादन के लिए आरओ और एआरओ को नियमावली का अध्ययन करने और प्रशिक्षण के दौरान अपनी सभी शंकाओं का समाधान करने और प्रत्याशियों को नामांकन पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेजों की सूची उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। जिला निवार्चन अधिकारी से सभी चुनाव में तैनात अधिकारियों और कर्मियों को बैठकों में आवश्यक रूप से उपस्थित होने के भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा. अभिषेक त्रिपाठी ने तैयारियों की जानकारी लेते हुऐ सभी खंड विकास अधिकारियों को मतपेटियों के साथ ही अन्य चुनाव सामग्री की जांच कर आवश्यकता वाली सामग्री की समय से मांग प्रस्तुत करने और सड़क मार्ग से अधिक दूरी वाले मतदेय स्थलों तक समाग्री पहुंचाने के लिए मजदूरों की अवश्यकता वाले केंद्रों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। साथ ही एनआईसी के अधिकारियों को त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों से संबंधित सभी आदेशों को समय से ऑनलाइन अपलोड करने की बात कही। उन्होंने मतदान और मतगणना के लिये कैमरे व नेटवर्क की व्यवस्थाओं की जांच कर समय से तैयारियां पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। बैठक के पश्चात परियोजना अधिकारी आनंद सिंह भाकुनी की अध्यक्षता में जनपद में तैनात आरओ व एआरओ को भी प्रशिक्षण दिया गया।

इस मौके पर परियोजना निदेशक आनंद सिंह भाकुनी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अभिषेक गुप्ता, अर्थ एवं संख्याधिकारी विनय जोशी, कृषि अधिकारी जेपी तिवारी, मुख्य शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह, आत्म प्रकाश डिमरी, केके पंत सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अभ्यर्थी परीक्षा में सुगमता से प्रतिभाग कर सकें : डीएम

चमोली। जिला प्रशासन चमोली ने पीसीएस की प्रारम्भिक परीक्षा के लिए सभी अभ्यर्थी परीक्षा की निर्धारित तिथि से एक दिन पूर्व परीक्षा केंद्र के समीप आवास की व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की गई है। ताकि अभ्यर्थी परीक्षा में सुगमता से प्रतिभाग कर सकें। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि जनपद में 29 जून को गोपेश्वर, कर्णप्रयाग और गौचर में पीसीएस की प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन किया जाना है। लेकिन बारिश के चलते जनपद की ग्रामीण सड़कें बाधित हो रहीं हैं। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र से अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में देरी हो सकती है। जिसे देखते हुए अभ्यर्थियों से परीक्षा दिवस से एक दिवस पूर्व परीक्षा केंद्र के समीप पहुंचकर तैयारियां पूर्ण करने की अपील की गई है। ताकि अभ्यर्थी समय से केंद्र पर पहुंच कर परीक्षा में प्रतिभाग कर सकें।

बिंदुखत्ता में इंटरमीडिएट पास छात्रा ने गटका जहर, मौत, परिजनों में मचा कोहराम

लालकुआं (नजरिया खबर ब्यूरो)। शांतिनगर बिंदुखत्ता निवासी इंटर पास छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में जहर का सेवन करने के चलते अस्पताल में जाने से पूर्व ही मौत हो गयी। छात्रा की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

बिंदुखत्ता के शांति नगर क्षेत्र में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां 18 वर्षीय छात्रा ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। आनन–फानन में परिजन उसे उपचार के लिए हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतका शांति नगर निवासी पूर्व सैनिक हीरा सिंह दानू की पुत्री उषा दानू के रूप में हुई है, जो स्थानीय स्तर पर इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक की पढ़ाई की तैयारी कर रही थी। बताया जा रहा है कि युवती जिम से लौटते वक्त घर पहुंची और कुछ देर बाद संदिग्ध परिस्थितियों में बेहोश हालत में मिली। परिवार वालों ने जब उसकी हालत बिगड़ती देखी तो उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया।

हालांकि आत्मघाती कदम उठाने के पीछे के कारणों की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन परिजन इस घटना पर कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतका अपने माता–पिता की चार संतानों में दूसरे नंबर की थी।

जीएसटी की असिस्टेंट कमिश्नर ने व्यापारियों को समझायी जीएसटी की बारीकियां

लालकुआं (नजरिया खबर ब्यूरो)। जीएसटी की असिस्टेंट कमिश्नर ने क्षेत्र के व्यवसाईयों की समस्याओं पर विस्तृत विचार विमर्श के बाद तमाम मामलों का जहां समाधान किया, वहीं जीएसटी पंजीयन कराने पर जोर दिया।

नगर के होटल के सभागार में राज्यकर विभाग के तत्वाधान में जीएसटी के पंजीयन सम्बन्धी कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें असिस्टेंट कमिश्नर अंजू जोशी व राज्यकर अधिकारी कुंदन सिंह पांगती ने शिविर में पहुंचे व्यापारियों की जीएसटी से संबंधित समस्याओं को सुना, तथा अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण करवाया गया। इस दौरान जीएसटी अधिकारियों ने अधिक पंजीयन करवाने पर जोर दिया व पंजीयन कराने के फायदे व इस प्रकिया को विस्तार पूर्वक समझाया,

लालकुआं में आयोजित शिविर में व्यापारियों को जानकारी देती जीएसटी कमिश्नर अंजू जोशी।

इस दौरान कई पंजीकृत व्यापारियों ने अपनी समस्याओं से अधिकारियों को रुबरू कराया, जिस पर काफी देर तक विचार विमर्श हुआ। इस दौरान जीएसटी से परेशानी सम्बन्धी सुझाव भी आमंत्रित किये गए। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह लोटनी, वरिष्ठ अधिवक्ता कमल कोठारी, अधिवक्ता सतीश चंद्र बल्यूटिया, कर सलाहकार प्रकाश चंद्र पाण्डे, चन्दन कर्नाटक, व्यापार मंडल उपाध्यक्ष नरेश चौधरी, शेखर जोशी, आदित्य चौधरी, सहित भारी संख्या में व्यापारी उपस्थित थे।

लालकुआं में बस से गिरा युवक, स्थानीय लोगों ने पीएचसी में कराया भर्ती, हायर सेंटर को किया रेफर

लालकुआं (नजरिया खबर ब्यूरो)। यहां वन विकास निगम के डिपो संख्या चार और पांच के बीच हाईवे में चलती बस से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पहले पीएचसी लालकुआं और उसके बाद हायर सेंटर को रेफर कर दिया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है, साथ ही युवक की अब तक शिनाख्त भी नहीं हो सकी है।

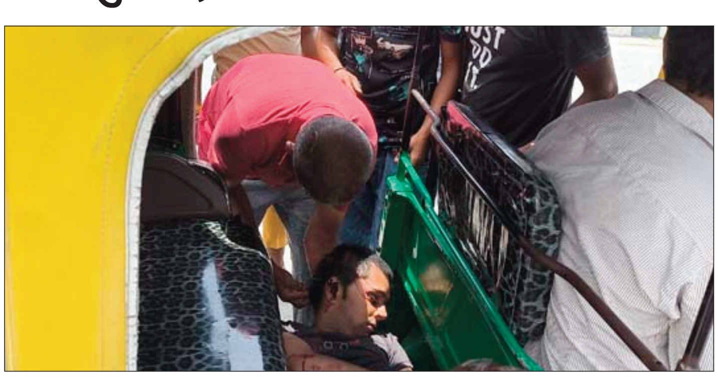

सड़क में गिरकर गंभीर रूप से घायल युवक को ऑटो में रखते राहगीर।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर को लगभग 1 बजे हल्द्वानी की ओर से आ रही एक बस से डिपो संख्या चार और पांच के बीच अचानक सड़क में एक युवक सिर के बल गिर पड़ा, कुछ देर तक लोग गंभीर घायल युवक को देखते रहे उसके बाद उसे ऑटो में बिठाकर पीएचसी लालकुआं पहुंचाया गया। जहां उसकी हालत नाजुक होने पर उसे डॉ सुशीला तिवारी चिकित्सालय हल्द्वानी को रेफर कर दिया गया। युवक के सिर में गंभीर चोट है और वह होश में नहीं आ सका है। सड़क में मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि हल्द्वानी की ओर से आ रही एक बस से अचानक यह युवक बीच सड़क में सिर के बल गिर पड़ा, परंतु बस चालक ने बस को नहीं रोका, और बस तेजी के साथ लालकुआं की ओर को चली गई, मौके पर मौजूद कुछ लोग यह कह रहे थे कि संभवत युवक बस से कूदा होगा, जबकि कुछ लोगों का कहना था कि उसे बस से धक्का भी दिया जा सकता है, लेकिन इतनी बड़ी बात हो जाने के बावजूद बस चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और बस तेजी के साथ लालकुआं की ओर को चली गई। अज्ञात युवक के हाईवे में बस से गिरकर गंभीर रूप से चोटिल होने के मामले में लालकुआं कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक दिनेश फर्त्याल ने बताया कि हाईवे के तमाम सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। उधर, युवती के आत्महत्या करने के मामले में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक दिनेश फर्त्याल का कहना है कि पुलिस उक्त मामले की बारीकी से जांच करेगी कि किन परिस्थितियों में युवती ने जहरीले पदार्थ का सेवन किया, ऐसी क्या मजबूरी थी कि उसे अपने जीवन लीला समाप्त करनी पड़ी। आसपास के लोगों से पूछताछ की जाएगी।

29 June 2025_Copy of Layout 1 6/29/2025 2:49 PM Page 6

केदारनाथ यात्रा के लिए नासूर बना मुनकटिया स्लाइडिंग जोन, श्रद्धालुओं को कंधों पर लादकर रास्ता पार करवा रहे जवान

रुद्रप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। केदारनाथ हाईवे के सोनप्रयाग–गौरीकुंड के बीच मुनकटिया और शटल सेवा वाहन के पास स्लाइडिंग जोन नासूर बन गया है। यहां पर आए दिन पहाड़ी से भूस्खलन हो रहा है। इस कारण यात्रा बाधित होने के साथ ही तीर्थ यात्री भी फंस रहे हैं, जिससे यात्रियों को 6 किमी का अतिरिक्त सफर भी तय करना पड़ रहा है। इधर एसडीआरएफ के जवान तीर्थ यात्रियों के लिए देवदूत बन रहे हैं। जवान यात्रियों को कंधों पर लादकर रास्ता पार करवा रहे हैं।

मुनकटिया स्लाइडिंग जोन।

बता दें कि बीती 31 जुलाई 2024 की केदारघाटी आपदा में आई थी। जिसमें सोनप्रयाग–गौरीकुंड मोटर मार्ग का एक बड़ा हिस्सा सोनप्रयाग के पास मंदाकिनी नदी में समा गया था। अब फिर यह जोन सक्रिय हो गया है और आए दिन यहां पर भूस्खलन हो रहा है। एक हफ्ते से यहां पर यही स्थिति बन रही है। लगातार भूस्खलन होने से यात्रा प्रवाहित हो रही है और तीर्थ यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

एसडीआरएफ के जवान जान जोखिम में डालकर यहां पर यात्रियों का सफर रेस्क्यू कर रहे हैं और उन्हें सुरक्षित तरीके से रास्ता आर पार करवा रहे हैं। कई बार एसडीआरएफ के जवान बुजुर्ग महिला एवं बच्चों को कंधों में लाद कर बड़े–बड़े बोल्डर के बीच अपनी जान को जोखिम में डालते हुए रास्ता आर पार करवा रहे हैं। रुद्रप्रयाग जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते सोनप्रयाग शटल पुल और मुनकटिया के पास स्लाइडिंग जोन वाले क्षेत्र में लगातार मलबा–पत्थर आने से मार्ग यात्रियों की आवाजाही के लिए पूरी तरह से बाधित रहा। संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के स्तर से मार्ग को खोले जाने की कार्रवाई शुरू की गई, लेकिन लगातार हो रही बारिश और ऊपर पहाड़ी से मलबा पत्थर गिरने के कारण इन दोनों जगहों पर मार्ग खोले जाने में दिक्कतें आईं। मौसम के साफ होने और मलबा पत्थर के गिरने से रुकने के बाद संबंधित कार्यदायी संस्था के स्तर से दोनों छोरों से कार्य शुरू किया गया। जिसके बाद इन दोनों जगहों पर मार्ग को पैदल चलने लायक बनाया गया।

पुलिस के जवान इन दोनों जगहों के छोरों पर सुरक्षा के मद्देनजर तैनात हैं, जो यात्रियों को रोकते हुए मार्ग के सुचारू होने पर उन्हें यात्रा मार्ग पर भेज रहे हैं।इन स्थानों पर मार्ग के खुलने और बंद होने की आंख मिचौली बनी हुई है। संबंधित कार्यदायी संस्था, प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस के स्तर से अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए यात्रियों की आवाजाही करवाई जा रही है। पुलिस की ओर से केदारनाथ धाम की यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से खास अपील भी की जा रही है। उन्हें मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए सतर्कता के साथ ही केदारनाथ की यात्रा पर आने को कहा जा रहा है।

सनसनीखेज गोलीकांड में मुख्य आरोपी सहित 7 गिरफ्तार

नैनीताल। हल्द्वानी क्षेत्र के बिरला स्कूल के पास हुई सनसनी खेज गोली काण्ड की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी सिटी हल्द्वानी प्रकाश चन्द्र ने मामले का खुलासा करते हुए बताया गया कि 23 जून को कोतवाली हल्द्वानी क्षेत्रान्तर्गत प्रेमपुर लोशज्ञानी रोड बिड़ला स्कूल के पास हुई गोली काण्ड की घटना के संबंध में थाना हल्द्वानी पर मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस टीमों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद घटना में शामिल आरोपियों की तस्दीक करते हुए मुख्य आरोपी रोहित मंडोला उर्फ राज मंडोला पुत्र भूपेंद्र सिंह मंडोला निवासी हरिपुर लालमणि गन्ना सेंटर हल्द्वानी जिला नैनीताल सहित कुल 7 आरोपियों को बेलबाबा मंदिर से आगे वन विभाग चेक पोस्ट के पास जंगल से गिरफ्तार किया गया तथा मुख्य आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक पिस्टल दो मैगजीन एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।

रुद्रप्रयाग बस हादसाः 9 लापता लोगों का नहीं लगा अब तक कोई सुराग

रुद्रप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। रुद्रप्रयाग में हुए बस हादसे को 24 घंटे से अधिक का समय हो चुका है। लेकिन अभी तक ना तो अलकनंदा नदी में गिरी बस का पता चल पाया है। ना ही हादसे के बाद से लापता 9 लोगों की कोई सुराग हाथ लगा है। बीते रोज 7.30 बजे जब हादसा हुआ तब से ही सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस की टीमें रेस्क्यू के लिए सर्च ऑपरेशन में लगी हैं।

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में गुरुवार को हुए बस हादसे में लापता हुए 9 तीर्थयात्रियों का अभी तक पता नहीं चल पाया है. चौंकाने वाली बात तो ये है कि जो 31 सीटर बस दुर्घटनाग्रस्त हुई, उसका भी पता नहीं चल सका है। इस हादसे को शुक्रवार को 24 घंटे से ज्यादा का समय हो चुका है। सर्च ऑपरेशन युद्ध स्तर पर जारी है। गुरुवार सुबह जब दुर्घटना हुई तो तभी से सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और स्थानीय लोग बस और उसमें सवार लापता हुए 9 लोगों को ढूंढ रहे हैं। लेकिन उनका 24 घंटे से ज्यादा समय के बाद भी कोई पता नहीं चल पाया है। यहां तक कि बस का मलबा भी नहीं मिल सका है।

मानसून के कारण अलकनंदा नदी का जलस्तर भी बढ़ा हुआ है। जलस्तर बढ़ने के साथ ही नदी का पानी मटमैला है। इस कारण उसमें कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है। यही सर्च और रेस्क्यू टीमों के सामने सबसे बड़ी दिक्कत आ रही है।

उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव पर लगी रोक हटी

नैनीताल (नजरिया खबर ब्यूरो)। राज्य के 12 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव प्रक्रिया पर हाई कोर्ट की रोक हट गई है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस कोर्ट ने अहम निर्णय सुनाया। जिसके बाद अब उत्त्तराखंड सरकार को बड़ी राहत मिली है।

हाई कोर्ट ने राज्य के 12 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में आरक्षण रोस्टर निर्धारण के विरुद्ध दायर याचिकाओं की सुनवाई की। शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ में सुनवाई के बाद ने चुनाव प्रक्रिया पर लगी रोक हटा दी है। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग को पूर्व में जारी चुनाव कार्यक्रम को तीन दिन आगे बढ़ाते हुए चुनाव कार्यक्रम जारी करने को कहा है। सरकार को याचिकाकर्ताओं द्वारा उठाये गए मुद्दों पर तीन सप्ताह के भीतर जबाव देने को कहा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ब्लॉक प्रमुख सीटों का आरक्षण निर्धारित करने व जिला पंचायत अध्यक्ष सीटों का आरक्षण निर्धारित नहीं करने पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। कोर्ट को बताया गया कि ब्लॉक प्रमुख व जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव एक ही तरह से होता है। एक याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया कि देहरादून के डोईवाला ब्लॉक में ग्राम प्रधानों के 63 फीसदी सीटें आरक्षित की गई हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से आरक्षण रोस्टर में कई सीटों के लंबे समय से एक ही वर्ग को प्रतिनिधित्व मिलने का उल्लेख करते हुए इसे संविधान के अनुच्छेद–243 व सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय समय पर दिए निर्णयों के विरुद्ध बताया गया। महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर के अनुसार अब रोक हटने के बाद चुनाव कार्यक्रम को एडजस्ट करना राज्य निर्वाचन आयोग का काम है। यह है याचिकाः बागेश्वर निवासी गणेश कांडपाल सहित अन्य ने याचिका दायर कर राज्य सरकार की ओर से 9 जून व 11 जून को जारी नियमावली व परिपत्र को याचिकाओं के माध्यम से चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि सरकार ने इस नियमावली में राज्य में अब तक के आरक्षण रोस्टर को शून्य घोषित कर दिया था और आरक्षण का नया रोस्टर जारी कर उसे पहली बार वर्तमान चुनाव से लागू माना। याचिकाकर्ता के मुताबिक एक तरफ सरकार का यह नियम कोर्ट के पूर्व में जारी आदेश के विरुद्ध है और दूसरा पंचायती राज अधिनियम 2016 की धारा–126 के अनुसार कोई भी नियम तभी प्रभावी माना जायेगा जब उसका सरकारी गजट में प्रकाशन होगा।

उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के लिए गोपेश्वर, कर्णप्रयाग व गौचर में बनाये गये केन्द्र

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की ओर से 29 जून को आयोजित होने वाली राज्य सिविलध्प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारम्भिक परीक्षा–2025 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली है। परीक्षा की तैयारियों को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की।

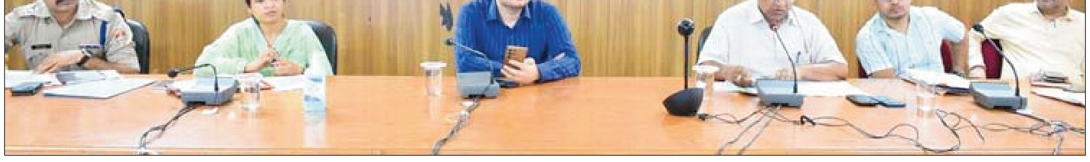

बैठक में परीक्षा को व्यवस्थित, नकलविहीन व शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बारिश की स्थिति को देखते हुए आपदा प्रबंधन अधिकारी को बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में निवासरत अभ्यर्थियों से सम्पर्क कर परीक्षा से पूर्व दिवस परीक्षा केंद्र के समीप पहुंचने के लिए अपील करने के निर्देश दिए। परगना मजिस्ट्रेट राजकुमार पाण्डेय ने बताया कि जनपद में परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए गोपेश्वर में तीन और कर्णप्रयाग व गौचर में एक–एक केंद्र बनाए गए हैं। कहा कि परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया जाएगा। जिसमें प्रथम पाली प्रातः 10.00 बजे से 12.00 बजे तथा द्वितीय पाली अपराहन 02.00 बजे से 04.00 बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों की 200 मीटर की परिधि में धारा 163 लगायी गयी है। परीक्षा केन्द्र की 200 मीटर की परिधि के अन्तर्गत 5 या 5 से अधिक व्यक्ति एक स्थान पर एकत्र नहीं होंगे। परीक्षा केन्द्र में किसी व्यक्ति को सेलुलर फोन, पेजर, एनालॉग और डिजिटल वॉच ले जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा केन्द्र के आसपास ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग वर्जित रहेगा। कोई व्यक्ति परीक्षा केन्द्र के आसपास अस्त्र नहीं ले जाएगा। परीक्षा केन्द्र के 200 मीटर की परिधि में फोटो स्टेट की दुकानें बंद रहेगी। परीक्षा केन्द्र में साहित्य, प्रेसनोट, पम्पलेट व पोस्टर बैनर नहीं लगाए जाएंगे। यह आदेश 28 जून की सायं 6 बजे से 29 जून की सायं 05 बजे तक तक प्रभावी रहेगा।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ठ योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को ईशा देओल और तुषार कपूर ने किया सम्मानित

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। श्री फिंगर्स एंटरटेनमेंट लिमिटेड द्वारा एक्सीलेंसी आइकॉनिक अवॉर्ड्स 2025 का आयोजन शनिवार को देहरादून के भव्य होटल सफरॉन लीफ में किया गया। कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल और अभिनेता तुषार कपूर ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया।

आयोजन देशभर के उद्यमियों, सामाजिक नेताओं, डिजिटल इनफ्लुएंसर्स और प्रतिष्ठित मेहमानों को एक साथ लाने वाला एक बेहतरीन मंच बना। समारोह की शुरुआत परंपरागत दीप प्रज्वलन से हुई, जो ज्ञान और समृद्धि के आगमन का प्रतीक है। श्री फिंगर्स एंटरटेनमेंट लिमिटेड के संस्थापक अरुण जी ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि "एक्सीलेंसी आइकॉनिक अवॉर्ड्स का उद्देश्य उन लोगों को मंच देना है जो भारत की तरक्की की असली

देहरादून में एक्सीलेंसी आइकॉनिक अवॉर्ड्स 2025 का भव्य आयोजन

ताकत हैं दृ उद्यमी, नवप्रवर्तक और नेता। हम यहां सच्ची कहानियां, संघर्षों और सफलताओं को सम्मानित करने के लिए हैं। सम्मान समारोह का मुख्य आकर्षण रही बॉलीवुड की प्रसिद्ध हस्तियाँ दृ ईशा देओल और तुषार कपूर रहे, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया। ईशा देओल ने कहा, की इस मंच का हिस्सा बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है, जो प्रगति और स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए समर्पित है। वहीं तुषार कपूर ने कहा, आज का भारत नई सोच और साहसिक कदमों से आगे बढ़ रहा है यह शाम उन्हीं को समर्पित है। कार्यक्रम में कई नामचीन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, कलाकार और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देखने को मिलीं। देव (जादूगर) ने अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, इंदरजीत (हिमाचली लोक गायक) की प्रस्तुति ने समा बांध दिया, मनन और ऋतिक (ॅ्ट त्मसंजंइसमे), अखंड प्रताप सिंह और रमन ढींगरा दृ डिजिटल युग के युवा प्रभावशाली चेहरे रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और समाजसेवकों में श्री सुबोध उनियाल दृ माननीय कैबिनेट मंत्री, श्री पूनम चंद, श्री लोकेश दत्तल, और श्री वीरेन्द्र उनियाल शामिल रहे। श्री फिंगर्स एंटरटेनमेंट लिमिटेड की निदेशक श्रीमती आशु सैनी ने कहा कि "हमारा लक्ष्य है कि हम उन व्यक्तियों को पहचान दिलाएं जो समाज में बदलाव ला रहे हैं। एक्सीलेंसी आइकॉनिक अवॉर्ड्स उनका सम्मान है जो बदलाव लाने में अग्रणी हैं। मयूरी चौधरी और नाज ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सेव अर्थ मिशन का 'ग्लोबल विजन अनवीलिंग' कार्यक्रम तीन जुलाई को होगा

ऋषिकेश। "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत सिर्फ 1 घंटे में 5 लाख से अधिक पेड़ लगाकर, सेव अर्थ मिशन ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक ऐतिहासिक कदम उठाया और दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा।

अब, सेव अर्थ मिशन अपने सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम दृ सेव अर्थ मिशन ग्लोबल विजन अनवीलिंग दृ की आधिकारिक घोषणा की है। यह आयोजन सेव अर्थ मिशन की वैश्विक रणनीति की शुरुआत को चिन्हित करेगा, जिसका उद्देश्य है वर्ष 2040 तक 30 अरब पेड़ लगाना और पृथ्वी को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की ओर ले जाना। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम 3 जुलाई 2025 को शाम 6रू00 बजे आईएसटी पर, प्रतिष्ठित गिफ्ट सिटी क्लब, अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा। संदीप चौधरी, अध्यक्ष दृ भारत चौप्टर, सेव अर्थ मिशन ने कहा कि यह केवल भारत नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए गर्व का क्षण है।

'स्किल्स फॉर द फ्यूचर ट्रांसफोर्मिंग इंडियाज वर्कफोर्स लैण्डस्केप' रिपोर्ट का अनावरण किया

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय तथा राज्य मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, जयंत चौधरी ने आज नई दिल्ली में एक रिपोर्ट 'स्किल्स फॉर द फ्यूचरः ट्रांसफोर्मिंग इंडियाज वर्कफोर्स लैण्डस्केप' का अनावरण किया, जिसे इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पीटेटिवनेस द्वारा विकसित किया गया है।

इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पीटेटिवनेस द्वारा तैयार की गई यह रिपोर्ट एक स्वतन्त्र प्रयास है। सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध आंकड़ां पर आधारित यह रिपोर्ट शैक्षणिक उपलब्धियों, व्यवसायिक वितरण तथा तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा और वर्कफोर्स के पर ध्यान केन्द्रित करते हुए भारत में कौशल परिवेश का विस्तृत मूल्यांकन करती है।

राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय तथा राज्य मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, जयंत चौधरी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के अकादामिक प्रयास सकरारी पहलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा हमें कौशल को केवल आपूर्ति–पक्ष के हस्तक्षेप के रूप में ही नहीं देखना चाहिए बल्कि इसे मांग, मार्केट और परिणामों से जोड़कर देखना चाहिए, ताकि यह उद्योग एवं कार्यबल की बदलती जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हो। हमें शिक्षा, व्यवसायिक प्रशिक्षण और उद्योग जगत के बीच के अंतर को दूर करना होगा, साथ ही अनौपचारिक एवं व्यवहारिक शिक्षा को मान्यता देनी होगी।

केदारनाथ धाम जाने वाले यात्रियों के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार

रुद्रप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। बीते तीन दिनों से सोनप्रयाग में सटल सेवा एप्रोच ब्रिज के समीप हो रहे लगातार भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा प्रभावित हो रही है। पहाड़ी से रुक–रुक कर गिर रहे बोल्डर और मलबे की वजह से मार्ग बार–बार अवरुद्ध हो रहा है, जिससे यात्रियों की आवाजाही बाधित हो रही है।

वैकल्पिक मार्ग।

प्रशासन की ओर से मार्ग को सुचारु करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। तीर्थ यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सोनप्रयाग से मुनकटिया तक निर्मित पैदल मार्ग पर बने अस्थाई पुल के एप्रोच पर गैबियन (पत्थरों से भरे मजबूत तार के बॉक्स) लगाकर मार्ग को ऊंचा किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि नदी का जलस्तर बढ़ने की स्थिति में पुल के पहुंच मार्ग को नुकसान न पहुंचे और पैदल यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं की आवाजाही निर्बाध बनी रहे।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के अधिशासी अभियंता विनय झिंक्वाण ने बताया कि यह वैकल्पिक अस्थाई मार्ग लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबा है। इसके अतिरिक्त मार्ग के दोनों तरफ नदी पर दो अस्थाई स्टील सेतु भी लगाए गए हैं। जो वर्तमान में यात्रा के लिए उपयुक्त है, मगर कदाचित जलस्तर बढ़ने के कारण पुल की एप्रोच पर नदी का पानी आ रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि पुल के एप्रोच को और सुरक्षित करने के लिए गैबियन लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है, ताकि नदी की धाराएँ पुल की एप्रोच को प्रभावित न कर सकें।

उन्होंने कहा कि यह कार्य शीघ्रता से पूर्ण कर लिया जाएगा, जिससे केदारनाथ यात्रा सुचारु रूप से जारी रह सके और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

भाजपा सरकार ने पंचायती राज की संवैधानिक अवधारणा को नष्ट कर दियाः यशपाल आर्य

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। पंचायत चुनाव की घोषणा हो गई है ऐसे में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या ने चुनाव की कार्यक्रम की घोषणा पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं।

यशपाल आर्य ने कहा कि उत्तराखण्ड में भाजपा सरकार ने पंचायती राज की संवैधानिक अवधारणा को नष्ट कर दिया है। सरकार ने आरक्षण लागू करने में न पंचायती राज अधिनियम में उल्लेखित प्राविधानों का पालन किया न उच्चतम न्यायालय ओर उच्च न्यायालय के आदेशों को। एक दिन पहले सरकार के महाधिवक्ता ने उच्च न्यायालय को

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य।

आश्वासन दिया था कि, वे आरक्षण के विसंगतियों पर 3 दिन के भीतर न्यायालय में सरकार की ओर से जबाव देंगे। न्यायालय में महाधिवक्ता का आश्वासन सरकार का आश्वासन होता है लेकिन सरकार ने अपना आश्वासन पूरा करने के बजाय राज्य में त्रिस्तरीय चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। 2016 में कांग्रेस सरकार द्वारा उत्तराखंड के पंचायत राज एक्ट में त्रिस्तरीय पंचायत आरक्षण प्रकिया को रोटेशन प्रणाली से लागू कर प्रत्येक वर्ग को पंचायतों में प्रतिनिधित्व देने का प्रावधान किया गया था। उच्चतम न्यायालय ने ओबीसी वर्ग को पंचायतों में आरक्षण दिये जाने के निर्देशों के क्रम में वर्मा आयोग की रिपोर्ट के अनुसार ओबीसी वर्ग के आरक्षण निर्धारण तो प्रथम चरण के अनुसार होना चाहिए लेकिन अन्य वर्गों के आरक्षण की प्रक्रिया 2019 के पंचायत चुनावों के बाद वर्तमान में द्वितीय चरण में रोटेशन के आधार पर होनी चाहिए थी।

सरकार के इस बेतुके निर्णय से एक ही सीट तीसरी अथवा चौथी बार एक ही वर्ग के लिए आरक्षित हो गई है। ऐसे में किसी एक वर्ग के लोगों को एक जीवन में प्रतिनिधत्व ही नहीं मिलेगा। जबकि पंचायतों में आरक्षण की मूल धारणा के अनुसार हर पांच वर्षों में रोटेशन के आधार पर प्रत्येक वर्ग महिला, पुरुष, एससी, ओबीसी, एसटी को प्रतिनिधित्व दिये जाने का प्रावधान है। आरक्षण तय करने में सरकार को उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार पुराने रोस्टर को ही आगे बढ़ाते हुए पिछड़े वर्ग को शून्य से आरक्षण देना था लेकिन सरकार ने पंचायतों के हर स्तर के लिए अलग फार्मूला तय किया है, जो असंवैधानिक है।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने पंचायत राज संबंधी संवैधानिक सुधारों की मूल भावना यह थी कि समाज के हर वर्ग को रोस्टर के अनुसार प्रतिनिधत्व मिले लेकिन उत्तराखंड में अपने चहेते लोगों को रेवड़ी बांटने के लिए सरकार ने इस भावना को तार तार कर दिया है।

29 June 2025_Copy of Layout 1 6/29/2025 2:49 PM Page 8

नौकरी से स्वरोजगार की ओर बढ़ रहा प्रदेश का युवा

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। पिछले कुछ सालों में माइक्रो इंडस्ट्रीज सेक्टर में उत्तराखंड ने लंबी छलांग लगाई है। आज उत्तराखंड में 3.15 लाख से ज्यादा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) यूनिट रजिस्टर्ड हो चुके हैं। इससे करीब 20 लाख लोग रोजगार से जुड़े हैं। ऐसे में उत्तराखंड अब नौकरी से स्वरोजगार की ओर बढ़ता नजर आ रहा है।

विश्व भर में अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस मनाया जाता है। जिसका मकसद पूरे दुनिया भर में छोटे इंडस्ट्रियल कारोबारी को एक साथ जोड़ना और उन्हें आगे बढ़ना है। एमएसएमई सेक्टर आज देश की इकोनॉमी सेक्टर में बड़ा रोल निभा रहा है। एमएसएमई (एमएसएमई) का भारत की जीडीपी यानी सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30 फीसदी से ज्यादा का योगदान है। एमएसएमई

उत्तराखंड में हुआ सवा 3 लाख एमएसएमई रजिस्ट्रेशन

देश में मेन्यूफेक्चरिंग, सर्विस और ट्रेड के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उत्तराखंड में एमएसएमई की भूमिका की बात की जाए तो आज उत्तराखंड माइक्रो एंड स्मॉल इंडस्ट्री सेक्टर में बेहतर कार्य कर रहा है। उत्तराखंड एक पर्वतीय राज्य है, जिसकी भौगोलिक परिस्थितियां और सीमित संसाधन कभी–कभी विकास के मार्ग में बाधा बनते हैं, लेकिन इन्हीं परिस्थितियों के बीच एमएसएमई सेक्टर ने राज्य की आर्थिक आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव रखी है।उत्तराखंड इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी अनिल गोयल का कहना है कि आज एमएसएमई वर्ल्ड इकोनॉमी, नेशनल इकोनॉमी और स्टेट इकोनॉमी में रेवेन्यू मॉडल, रोजगार का एक बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने उत्तराखंड के परिपेक्ष में एमएसएमई सेक्टर के बारे में भी जानकारी भी दी।

उत्तराखंड इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी अनिल गोयल ने बताया कि कई चुनौतियां शुरुआती दौर में एमएसएमई सेक्टर में देखने को मिलती है। अन्य चुनौतियों से मिलजुल कर लड़ने के लिए इंडस्ट्रियल एसोसिएशन काम करती है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में एमएसएमई सेंटर को बढ़ावा देने के लिए सरकार के माध्यम से कई नई पहल हुई है। उन्होंने फाइनेंशियल मैनेजमेंट को लेकर कहा कि एमएसएमई सेक्टर में छोटी–छोटी लापरवाही से बड़े नुकसान हो सकते हैं, जिसको लेकर लगातार एमएसएमई सेक्टर के लोगों को जागरूक किया जा रहा है। वहीं, सरकार भी तमाम ऐसी योजनाएं चल रही हैं, जिससे एमएसएमई सेक्टर को लाभ मिल रहा है।

एमएसएमई इंडस्ट्री के लिए सरकार के प्रयास पर उत्तराखंड इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने अहम जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में एमएसएमई सेक्टर की बात करें तो कुछ चुनौतियां जरूर हैं, लेकिन इसके बावजूद भी साल 10 साल से उत्तराखंड में एमएसएमई सेक्टर तरक्की कर रहा है। पंकज गुप्ता ने कहा इसका असर हमें वार्षिक क्रेडिट प्लान में देखने को भी मिल रहा है, जहां हम हर साल टारगेट से ऊपर ही जा रहे हैं, लेकिन कम नहीं रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों में देखने को मिल रहा है कि लोग स्वरोजगार के प्रति ज्यादा जागरूक हो रहे हैं। अब लोग नौकरी लेने नहीं देने की बात कर रहे हैं।

पीपीपी मोड पर चल रहे सरकारी अस्पताल अब डीएम के रडार पर

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिले में पीपीपी मोड पर चल रहे सरकारी अस्पतालो पर जनमानस को हो रही असुविधा कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए डीएम मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अस्पतालों में सुधार के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के विजन, स्वस्थ रहे प्रत्येक जनय को धरातल पर चरितार्थ करने को डीएम सविन बंसल प्रतिबद्ध है। डीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एसीएमओ, एमओसी को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना ही यह गांठ बांध ले इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही, नाफरमानी बर्दाश्त नही की जाएगी। जनमानस से जुड़ी सुविधाएं सेवाएं डीएम के रडार पर हैं, जनमानस से जुड़े विषयों पर डीएम गंभीर है।

केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को मिली उत्तराखण्ड प्रदेश अध्यक्ष चुनाव की जिम्मेदारी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड में बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष बदलने की कवायद तेज हो गई है। जल्द ही इसका फैसला होने वाला है। क्योंकि शुक्रवार को ही बीजेपी हाईकमान ने केंद्रीय मंत्री और सांसद हर्ष मल्होत्रा को उत्तराखंड में प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी है। उत्तराखंड के अलावा महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में भी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने हैं।

बीजेपी संगठन चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर डॉक्टर के लक्ष्मण की तरफ से शुक्रवार को एक लेटर जारी किया गया है। इस लेटर में तीन राज्यों (महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड) के प्रदेश अध्यक्षों और राष्ट्रीय परिषदों के सदस्यों के चुनाव के लिए तीन नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी है।

उत्तराखंड में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषदों के सदस्यों के चुनाव की जिम्मेदारी जहां केंद्रीय मंत्री और सांसद हर्ष मल्होत्रा को दी गई है, तो वहीं महाराष्ट्र की जिम्मेदारी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री किरण रिजिजू को दी है। पश्चिम बंगाल की जिम्मेदारी रवि शंकर प्रसाद को दी गई है।

बता दें कि उत्तराखंड में फिलहाल महेंद्र भट्ट बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हैं। महेंद्र भट्ट का कार्यकाल काफी पहले ही खत्म हो चुका है। अब संगठन राज्य में प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव करवा कर किसी नए चेहरे को मौका दे सकता है।

बीमा लेना अब सिर्फ एक विकल्प नहीं बल्कि एक जरूरत बन चुकीः शनाई घोष

देहरादून। महंगाई खासकर मेडिकल खर्चों में 2024 के दौरान 14: की बढ़ोतरी, साथ ही बदलते मौसम, सड़क हादसों और ट्रैवल में रुकावट जैसी अनिश्चित परिस्थितियों के बीच अब बीमा लेना सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि एक जरूरी जरूरत बन चुका है। जेन जी और मिलेनियल्स जैसे युवा वर्ग के लिए, जो तेजी से डिजिटल दुनिया से जुड़ रहा है, बीमा अब सिर्फ एक पॉलिसी नहीं, बल्कि मानसिक सुकून और जिंदगी की अनिश्चितताओं से निपटने की तैयारी का जरिया है। हालांकि, भारत में बड़ी संख्या में युवा आज भी बीमा से दूर हैं कृ जिसका सबसे बड़ा कारण है बीमा के प्रति जागरूकता की कमी और जटिल प्रक्रियाएं, जो उन्हें भ्रमित और दूर कर देती हैं।

न्यूज डायरी

खाई में गिरा टमाटर ले जा रहा ट्रक, एक व्यक्ति की मौत, दो लोग गंभीर रूप से घायल

देहरादून। विकासनगर हरिपुर मीनस मोटर मार्ग पर एक आयशर ट्रक कोटी गांव से पहले कोलिया खड्ड के पास अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया गया है। मृतक के शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेजा गया है। जानकारी के अनुसार बीते देर रात को कालसी थाना को स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दी गई कि हरिपुर मीनस मोटर मार्ग पर कोटी से पहले कोलिया खड्ड के समीप एक आयशर वाहन खाई मे गिर गया है। ट्रक मे तीन लोग सवार थे। जानकारी के अनुसार ट्रक चालक दिल्ली से टमाटर बेचकर नेरवा हिमाचल जा रहा था, तभी वाहन देर रात हरिपुर मीनस मोटर मार्ग पर हादसे का शिकार हो गया। वाहन में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गई।

जाम की समस्या एवं नशा कारोबार पर अंकुश लगाओ कप्तान साहब

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। जन संघर्ष मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण शर्मा पिन्नी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह से मुलाकात कर विकासनगर बाजार व हरबर्टपुर चौक में आए दिन लगने वाले जाम से जनता को निजात दिलाने, नशा कारोबार से जुड़े नेक्सस को समाप्त करने एवं क्षेत्र में गौ तस्करी–हत्या पर लगाम कसने को ज्ञापन सौंपा। श्री सिंह ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

शर्मा ने कहा कि नशा तस्करी एवं गौकशी, तस्करी में अक्सर देखा गया है कि कुछ नेता व भ्रष्ट पुलिसकर्मी थोड़े पैसे के लालच में अपना जमीर बेच देते हैं, जिसकी वजह से ये

एसएसपी को ज्ञापन सौंपते हुए।

अमानवीय कारोबार धड़ल्ले से फल फूलता हैद्य पुलिसकर्मियों–नेताओं–दलालों एवं तस्करों की जुगलबंदी के चलते इस कारोबार ने आज अपनी जड़ें बहुत मजबूत कर ली है। इस नशाखोरी के चलते युवा पीढ़ी बर्बादी के कगार पर पहुंच गई है, जिसकी वजह से अभिभावक बहुत व्यथित हैं। इसके साथ–साथ गौ–हत्या ध्तस्करी मामले में भी कहीं न कहीं पुलिस व नेताओं की मिलीभगत के चलते क्षेत्र का माहौल बिगड़ चुका है। शर्मा ने कहा कि आय दिन अत्याधिक शराबध नशे का सेवन कर वाहन चालकों ने कई दुर्घटनाओं का अंजाम दिया है, जिससे कई लोगों की अकाल मृत्यु हो चुकी है तथा कई गंभीर रूप से चोटिल हुए हैं, ऐसे चालकों पर अत्याधिक शिकंजा कसे जाने की जरूरत है।

पेज 01 का शेष...

बाढ़ से निपटने के लिए जनपद पूरी तरह तैयार, टेबल टॉप एक्सरसाइज में जनपदों की तैयारियों की समीक्षा

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने कहा कि मानसून अवधि में सभी जनपदों को तहसील स्तर पर टाक्स फोर्स गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ और जलभराव की स्थिति में प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द मदद मिल सके, इसके लिए आवश्यक है कि अलग–अलग कार्यों को करने के लिए अलग–अलग टीमें गठित हों। उन्होंने कहा कि आपदा के उपरांत लोगों को त्वरित गति से अहेतुक सहायता वितरित करने, क्षति का आकलन करने, पुनर्निर्माण और पुनर्प्राप्ति के कार्यों को सुगमता से संचालित करने के लिए टास्क फोर्स का गठन करने को कहा गया है। टेबल टॉप एक्सरसाइज के दौरान बाढ़ व जलभराव से संबंधित विभिन्न परिदृश्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। हरिद्वार में कांवड़ यात्रा के दौरान भगदड़ और नदी में डूबने, कलसिया में तटबंध टूटने, बाणगंगा में अतिवृष्टि से जलभराव, सोलानी नदी के जलस्तर में वृद्धि विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव के परिदृश्यों पर मॉक अभ्यास होगा। जनपद ऊधमसिंह नगर में बैगूल नदी से स्कूल में जलभराव तथा बच्चों का रेस्क्यू, तथा मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं से प्रभावी तरीके से निपटने का अभ्यास किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी नजरिया खबर के लिए स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक गीता जायसवाल द्वारा श्रेष्ठा प्रिन्टर्स, वार्ड नं.03,पो.ओ. लालकुंआ जिला–नैनीताल, उत्तराखण्ड से मुद्रित तथा 14–डी मीडो प्लाजा, प्रथम तल राजपुर रोड देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित सम्पादक : विजय जायसवाल फोन नं. – 0135&2740930, 9837027458 RNI NO: UTTHIN/2008/25052 प्रकाशन सम्बन्धी सभी विवादों का निस्तारण सिर्फ देहरादून न्यायालय होगा। E-mail: nazariakhabar@gmail.com

Website : www.nazariyakhabar.com डाक पंजीयन: UA/DO/DDN/402/2017-19